



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 629]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 28, 2008/अग्राहायण 7, 1930

No. 629]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 28, 2008/AGRAHAYANA 7, 1930

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क

[महानिदेशक (रक्षोपाय) का कार्यालय]

रक्षोपाय अन्वेषण के प्रारम्भ की सूचना

[सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क की पहचान और निर्धारण नियमावली, 1997) के नियम 6 के अधीन]

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 2008

विषय :- थैलिक एनहाइड्राइड के भारत में आयात से सम्बन्धित रक्षोपाय अन्वेषण का प्रारम्भ ।

सा.का.नि. 825(अ).—भारत में थैलिक एनहाइड्राइड के वर्धित आयात के परिणामस्वरूप थैलिक एनहाइड्राइड के घरेलू उत्पादकों को होने वाली गम्भीर क्षति से बचाने के लिए थैलिक एनहाइड्राइड के आयात पर रक्षोपाय शुल्क लागाने के लिए मैसर्स थिरूमलाई केमिकल्स लिमिटेड, रानीपेट, तमिलनाडु, मैसर्स आई. जी. पेट्रोकेमिकल्स लि., रायगढ़ (महाराष्ट्र), मैसर्स मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि., रायचूर (कर्नाटक) एवं मैसर्स एस. आई. ग्रुप इण्डिया लि., नवी मुम्बई, के द्वारा सीमा-शुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क की पहचान और निर्धारण) नियमावली, 1997 के नियम 5 के अधीन मेरे समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया गया है ।

2. घरेलू उद्योग.—थैलिक एनहाइड्राइड के घरेलू उत्पादकों की ओर से थैलिक एनहाइड्राइड के आयात पर रक्षोपाय शुल्क लगाने हेतु मैसर्स थिरूमलाई केमिकल्स लिमिटेड, रानीपेट, तमिलनाडु, मैसर्स आई. जी. पेट्रोकेमिकल्स लि., रायगढ़ (महाराष्ट्र), मैसर्स मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि., रायचूर (कर्नाटक) एवं मैसर्स एस. आई. ग्रुप इण्डिया लि., नवी मुम्बई के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है । थैलिक एनहाइड्राइड के कुल पांच घरेलू उत्पादकों में से चार घरेलू उत्पादकों द्वारा, जो कि कुल उत्पादन का 90 प्रतिशत उत्पादन करते हैं, यह आवेदन प्रस्तुत किया गया है ।

3. संबद्ध उत्पाद.—आवेदकों द्वारा भारत में थैलिक एनहाइड्राइड के वर्धित आयात से घरेलू उत्पादकों को गम्भीर क्षति होने का आरोप लगाया गया है । थैलिक एनहाइड्राइड जो कि कस्टम टैरिफ एक्ट, 1975 की प्रथम अनुसूची के अन्तर्गत सब-हेडिंग संख्या 2917 35 00 में वर्गीकृत है, थैलिक एसिड का मुख्य वाणिज्यिक रूप है । यह आर्थो जाइलीन के आक्सीकरण (कैटलिस्ट की उपस्थिति में) या नेपथलीन के अक्सीकरण द्वारा उत्पन्न किया जाता है तथा इसका प्रयोग प्लास्टिक व प्लास्टीसाइजर्स की आर्गनिक सिन्थेसिस में किया जाता है ।

4. वर्धित आयात.—थैलिक एनहाइड्राइड का आयात कोरिया गणतंत्र, इण्डोनेशिया, इजराइल, ताईवान एवं पाकिस्तान से भारत में किया जाता है । थैलिक एनहाइड्राइड का आयात वास्तविक रूप से एवं घरेलू उत्पाद के सापेक्ष—दोनों ही प्रकार से आयात वृद्धि प्रदर्शित करता है । थैलिक एनहाइड्राइड का आयात और घरेलू उत्पादन 2005-2006 से 2008-2009 (प्रथम छमाही) के दौरान निम्नानुसार रहा :-

वर्ष	आयात (मै. ट.)	घरेलू उत्पाद (मै. ट.)
2005-2006	24,092	1,91,637
2006-2007	14,133	2,22,959
2007-2008	31,441	2,44,429
2008-2009 (प्रथम छमाही)	22,398	1,13,614*

*आवेदकों के समस्त कारखाने (केवल एक को छोड़कर जो अक्टूबर-नवम्बर से आंशिक रूप से कार्य कर रहा है) बंद हो चुके हैं, जिसके फलस्वरूप तीन कारखानों में चिनकी उत्पादन क्षमता 1,55,500 मैट्रिक टन है, शून्य उत्पादन हो गया है । आंशिक रूप से बंद कारखाने में 1,10,000 मैट्रिक टन की उत्पादन क्षमता में से 50,000 मैट्रिक टन की उत्पादन क्षमता को बंद किया जा चुका है ।

5. क्षति.—थैलिक एनहाइड्राइड के वर्धित आयात के परिणामस्वरूप थैलिक एनहाइड्राइड के घरेलू उत्पादकों को गम्भीर क्षति तथा गम्भीर क्षति की आशंका हुई है, जैसा कि निम्नलिखित तथ्यों के द्वारा दर्शाया गया है :-

(क) घरेलू उत्पादन जो कि 2005-06 में 1,91,637 मैट्रिक टन था, 2006-07 में पुनः बढ़कर 2,22,959 मैट्रिक टन हो गया तथा 2007-08 में पुनः बढ़कर 2,44,429 मैट्रिक टन हो गया। 2008-09 के प्रथम छः महीनों में यह घटकर 1,13,614 मैट्रिक टन हो गया है। आवेदकों के समस्त कारखाने (केवल एक को छोड़कर जो अक्टूबर-नवम्बर से आंशिक रूप से कार्य कर रहा है) बंद हो चुके हैं जिसके फलस्वरूप तीन कारखानों में जिनकी उत्पादन क्षमता 1,55,500 मैट्रिक टन है, शून्य उत्पादन हो गया है। आंशिक रूप से बंद कारखाने में 1,10,000 मैट्रिक टन की उत्पादन क्षमता में से 50,000 मैट्रिक टन की उत्पादन क्षमता को बंद किया जा चुका है।

(ख) उत्पादन क्षमता का प्रयोग :— आवेदक घरेलू उत्पादकों की 2,65,500 मैट्रिक टन की कुल उत्पादन क्षमता में से 2,05,500 मैट्रिक टन क्षमता बंद की जा चुकी है। तीन कारखानों का उत्पादन क्षमता उपयोग शून्य हो चुका है। एक कारखाना अपनी क्षमता का केवल 55 प्रतिशत उत्पादन कर रहा है। कुल मिलाकर वर्तमान उत्पादन क्षमता में से 77.5 प्रतिशत क्षमता का उपयोग शून्य हो चुका है।

(ग) घरेलू खपत में घरेलू उत्पादकों का अंश :—घरेलू उत्पादकों का बाजार अंश काफी गिर गया है। 2005-06 में आवेदकों का बाजार अंश 81 प्रतिशत था जो 2006-07 में बढ़कर 90 प्रतिशत हो गया तथा 2007-08 में गिरकर 82 प्रतिशत हो गया। 2008-09 की प्रथम छमाही में बाजार अंश गिरकर 76 प्रतिशत रह गया। चूंकि उत्पादन क्षमता का 77.5 प्रतिशत शून्य है, घरेलू खपत में घरेलू उत्पादन के अंश की और गिरने की संभावना है। निम्न वर्णित कारखानों का बंद होना घरेलू उत्पादन में बड़ी कटौती दर्शाता है :—

क्रम सं.	कारखाने का नाम	बंद होने की तिथि
1.	मै. थिरुमलाई केमिकल्स लि. रानीपेट, तमिलनाडु	7-10-2008
2.	मै. एस. आई. ग्रुप इंडिया लि. नवी मुम्बई, महाराष्ट्र	11-10-2008
3.	मै. आई. जी. पेट्रोकेमिकल्स लि. रायगढ़, महाराष्ट्र (आंशिक रूप से बंद)	25-10-2008
4.	मै. मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि. रायचूर (कर्नाटक)	1-11-2008

6. घरेलू उत्पादकों ने 4 वर्ष की अवधि के लिए थैलिक एनहाइड्राइड के आयात पर रक्षोपाय शुल्क लगाने का अनुरोध किया है। उन्होंने विषम परिस्थितियों के फलस्वरूप अपूर्ण क्षति की संभावनाओं को देखते हुए तत्काल प्रभाव से अनन्तिम रक्षोपाय शुल्क लगाने की प्रार्थना भी की है।

7. आवेदन पत्र को जांचा गया और पहली दृष्टि में यह पाया गया है कि थैलिक एनहाइड्राइड के वर्धित आयात से थैलिक एनहाइड्राइड के घरेलू उत्पादकों को गम्भीर क्षति तथा गम्भीर क्षति की आशंका उत्पन्न हुई है, तदनुसार इस नोटिस के माध्यम से जांच शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

8. सभी संबद्ध पक्ष इस नोटिस की तिथि से 30 दिनों की अवधि के अन्दर अपने दृष्टिकोण से अधोहस्ताक्षरी को सूचित कर सकते हैं।

महानिदेशक (रक्षोपाय)

वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग,

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

भाई वीर सिंह मार्ग, (द्वितीय तल),

भाई वीर सिंह साहित्य सदन, गोल मार्किट,

नई दिल्ली-110 001. भारत

टेलीफैक्स-(011)-23741542, 23741536

e-mail : dgsafeguards@nic.in

9. सभी ज्ञात संबद्ध पक्षों को अलग से भी सूचित किया जा रहा है।

10. अन्वेषण से संबंधित अन्य पक्ष जो संबद्ध पक्ष समझे जाने के इच्छुक हों, अपना आवेदन इस सूचना की तिथि के 21 दिन के अन्दर महानिदेशक (रक्षोपाय) के पास भेज दें।

[फा. सं.-डी./22011/32/08]

सर्वजीत सिंह राणा, महानिदेशक

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

(DIRECTORATE GENERAL OF SAFEGUARDS)

NOTICE OF INITIATION OF A SAFEGUARD
INVESTIGATION

[Under Rule 6 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997]

New Delhi, the 28th November, 2008

Sub:—Initiation of safeguard investigation concerning imports of Phthalic Anhydride into India

G.S.R. 825(E).—An application has been filed before me under Rule 5 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 by M/s. Thirumalai Chemicals Ltd., Ranipet, Tamilnadu, M/s. I.G. Petrochemicals Ltd., Raigad Maharashtra, M/s. Mysore Petrochemicals Ltd., Raichur, Karnataka and M/s. S.I. Group India Ltd., Navi Mumbai, Maharashtra for imposition of Safeguard Duty on imports of Phthalic Anhydride into India to protect the domestic producers of Phthalic Anhydride against serious injury caused by the increased imports of Phthalic Anhydride into India.

2. Domestic Industry.—The application has been filed by M/s. Thirumalai Chemicals Ltd., Ranipet, Tamilnadu, M/s. IG Petrochemicals Ltd., Raigad, Maharashtra, M/s. Mysore Petrochemicals Ltd., Raichur, Karnataka and M/s. SI Group India Ltd., Navi Mumbai, Maharashtra for imposition of Safeguard Duty on imports of Phthalic Anhydride. The application has been made by four of the five domestic producers of Phthalic Anhydride in India accounting for 90% of the total production.

3. Product Involved.—The application have alleged serious injury caused to the domestic producers by the increased imports of Phthalic Anhydride into India. Phthalic Anhydride classified under sub-heading No. 29173500 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975, is the principal commercial form of Phthalic Acid. It is produced by catalytic oxidation of Ortho-xylene (OX) with air or by the catalytic oxidation of naphthalene and is used in organic synthesis of plastics (alkyd resins) and plasticizers, etc.

4. Increased Imports.—Phthalic Anhydride is imported into India from Republic of Korea, Indonesia, Israel, Taiwan and Pakistan. The imports Phthalic Anhydride have shown an increasing trend in absolute terms as well as compared to the domestic production. The imports and domestic production of Phthalic Anhydride during 2005-2006 to 2008-2009 (first six months) remained as under :—

Year	Imports (MT)	Domestic Production (MT)
2005-2006	24,092	1,91,637
2006-2007	14,133	2,22,959
2007-2008	31,441	2,44,429
2008-2009	22,398	1,13,614*

(First six month)

*All plants of the applicants are closed except one which is running partially from the month of October-November, leading to zero capacity utilization of three plants which constitute 1,55,500MT of production capacity. The partially closed unit has closed 50,000MT out of 1,10,000MT of production capacity.

5. Injury.— The increased imports of Phthalic Anhydride have caused and are threatening to cause serious injury to the domestic producers of Phthalic Anhydride as indicated by the following factors:—

(a) **Production :** The domestic production which increased from 1,9,1637MT in 2005-2006 to 2,22,959MT in 2006-2007 and further to 2,44,429MT in 2007-2008 has fallen to 1,13,614MT in 2008-2009 (First six months). All plants of the applicants are closed except one which is running partially from the month of October-November, leading to Zero capacity utilization of three plants which constitute 155500MT of production capacity. The partially closed unit has closed 50,000MT out of 110,000MT of production capacity.

(b) **Capacity Utilization :** Out of the total capacity of 2,65,500MT, accounted for by the applicant domestic producers, 2,05,500MT has been shut

down. The capacity utilization of three plants has become zero. One plant is running at around 55% of its capacity. As whole 77.5% of existing capacity has zero percent of capacity utilization.

(c) **Share of domestic producers in domestic consumption :** Market share of domestic producers has fallen significantly. Applicants had a market share of 81% in 2005-2006 which increased to 90% during 2006-2007 and then fell to 82% during 2007-2008. In the first half of 2008-2009, market share went down to 76%. As 77.5% of capacity is already closed, the share of domestic production in domestic consumption is likely to go down further. The closures of following factories as mentioned below imply major reduction in domestic production.

Sl No.	Name of the Plant	Date of Closure
1.	M/s. Thirumalai Chemicals Ltd., Ranipet, Tamilnadu	7-10-2008
2.	M/s. SI Group India Ltd., Navi Mumbai, Maharashtra	11-10-2008
3.	M/s. IG Petrochemicals Ltd., Raigad, Maharashtra (Partially closed)	25-10-2008
4.	M/s. Mysore Petrochemicals Ltd., Raichur, Karnataka	1-11-2008

6. The domestic producers have requested for imposition of Safeguard Duty on imports of Phthalic Anhydride for a period of four years. They have also requested for an immediate imposition of provisional Safeguard Duty in light of critical circumstances, leading to irreparable damage.

7. The application has been examined and it is found that prima facie increased imports of Phthalic Anhydride have caused and are threatening to cause serious injury to the domestic producers of Phthalic Anhydride and accordingly it has been decided to initiate an investigation through this notice.

8. All interested parties may make their views known within a period of 30 days from the date of this notice to:—

The Director General (Safeguards)

Bhai Vir Singh Marg,

Bhai Vir Singh Sahitya Sadan : 2nd Floor,

Gole Market,

New Delhi-110 001, INDIA.

Telefax : 23741542/23741537

E-mail : dgsafeguards@nic.in

9. All known interested parties are also being addressed separately.

10. Any other party to the investigation who wishes to be considered as an interested party may submit its request so as to reach the Director General (Safeguards) within 21 days from the date of this notice.

[F.No.D-22011/32/08]

S. S. RANA, Director General